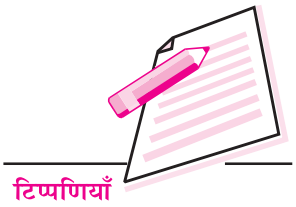

3

पर्यटन का प्रभाव

पर्यटन सामान्यत: दुनिया में और विशेष रूप से भारत में एक बहुत तेजी से बढ़ने वाला उद्योग है। इसने पर्यटक उत्पत्ति और गंतव्य क्षेत्रों में कई आधारभूत संरचनाओं की स्थापना का नेतृत्व किया है। कई गतिविधियों पर पर्यटकों की आवश्यकतानुसार ध्यान दिया जाता है। पर्यटकों का उस क्षेत्र और लोगों पर काफ़ी प्रभाव होता है, जहाँ से वे यात्रा शुरू करते हैं या जहाँ वे पर्यटन के दौरान पहुँचते हैं। इस पारस्परिक मेलजोल के कारण कुछ प्रभाव स्वभाविक होते हैं। इस अध्याय में, उन प्रभावों को समझने की कोशिश की गई है, जो अच्छे या बुरे हो सकते हैं।

उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात आप:

- पर्यटन को प्रोत्साहित करने और रोकने वाले कारकों का वर्गीकरण कर सकेंगे;
- पर्यटन के सकारात्मक और नकारात्मक आर्थिक प्रभावों का पता लगा सकेंगे;
- समाज पर पर्यटन के प्रभाव को समझा सकेंगे;
- क्षेत्र की संस्कृति पर पर्यटन के प्रभाव की व्याख्या कर सकेंगे;
- सरकार द्वारा लिए गए राजनीतिक निर्णय के प्रभाव को समझा सकेंगे;
- पर्यावरण/परिवेश पर प्रभाव को पहचान सकेंगे;
- स्थायी पर्यटन को समझा सकेंगे।

3.1 परिचय

पर्यटन को एक उद्योग माना जाता है। इस उद्योग में लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानांतरण शामिल होता है। लोगों के स्थानांतरण के लिए परिवहन से संबंधित बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण के बाद लोगों के लिए आवास और उसके साथ ही भोजन और पेय की आवश्यकता होती है। उन स्थानों पर ठहरते ही लोगों

टिप्पणियाँ

के साथ हम बात-व्यवहार करने लगते हैं। ये सब रोजगार के अवसर और आर्थिक गतिविधियाँ उत्पन्न करते हैं। स्थानीय लोगों के साथ मेल-जोल को आगे विभिन्न मूलों की संस्कृतियों के मिश्रण से जोड़ा जाता है। पर्यटकों के उपभोग का तरीका स्थानीय लोगों से अलग होता है। अपशिष्ट उत्पादन और उसका निपटान एक बड़ी चुनौती है। दूसरे शब्दों में, पर्यटन के प्रभावों को निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है :

- आर्थिक प्रभाव
- सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव
- राजनीतिक प्रभाव
- पर्यावरणीय प्रभाव

3.2 पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कारक

भारत एक जैव-भौतिक विविधता वाला विशाल देश है। भूमि के इस विशाल विस्तार में उत्तर-पूर्व में भरपूर वर्षायुक्त भागों से लेकर पश्चिम में सबसे शुष्क भाग तक शामिल हैं। इसमें द्वीप-समूहों, तटीय भूमि (समुद्र तल), ऊँची पर्वत चोटियों को शामिल किया गया है। इसमें नम हरी घाटियों, फूलों की घाटी, तीव्र पहाड़ी ढाल, सुंदर झरने, लंबे-चौड़े सपाट मैदान, शुष्क रेगिस्तान आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त इसमें गुफाएँ, स्मारक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के स्थल, धार्मिक संरचनाएँ, पहाड़ी रास्ते, साहसिक पयर्टन, चट्टानी चढ़ाई, राफ्टिंग आदि भी शामिल हैं। देश के विभिन्न भागों में प्राकृतिक दर्शनीय स्थलों के अलावा, उनमें से अधिकांश, नवीन पर्यावरण, मनोरंजन केंद्रों, स्वास्थ्य पुनर्युवन केंद्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश पर्यटकों की रुचि के अनुसार वर्ष भर दुनिया के विभिन्न भागों से पर्यटकों को आमंत्रित करता है। दक्षिण भारत की शीतकालीन जलवायु पर्यटकों के लिए अनुकूल स्थल बनाती है, जबकि हिमालय क्षेत्र गर्मियों के दौरान अनुकूल माना जाता है। ये सभी कारक मूल रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए अनुकूल हैं।

कभी एक स्थान पर बड़ी संख्या में पर्यटकों/लोगों के आने के बाद, उन स्थानों में घूमने के साथ-साथ, वहाँ कुछ परिणामों का सामना भी करना पड़ता है। ये परिणाम अच्छे के साथ-साथ बुरे भी हो सकते हैं। आइए, इन प्रभावों का अध्ययन करते हैं।

पाठगत प्रश्न 3.1

1. पर्यटन गतिविधियाँ किस प्रकार गंतव्य क्षेत्रों को प्रभावित करती हैं?
2. पर्यटन के प्रभाव क्या हैं?

3.3 आर्थिक प्रभाव

इस क्षेत्र का आर्थिक महत्व इसमें शामिल लोगों की संख्या के साथ-साथ इससे उत्पन्न आय द्वारा भी निर्धारित किया जा सकता है। प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, पर्यटन क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। इसमें परिवहन, आवास, भोजन, टिकट, गाइड, नौका विहार, राफ्टिंग, ट्रैकिंग,

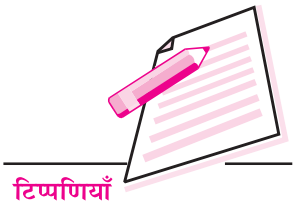

पर्यटन स्थलों का अनुरक्षण आदि शामिल है। मेजबान मेहमानों को सभी आवश्यक सेवाएँ एवं सुविधाएँ प्रदान करते हैं। मेहमान इन सेवाओं के लिए भुगतान करते हैं। इसलिए, पर्यटन से दोनों क्षेत्रों/देशों के लोगों को, जहाँ पर्यटन का आरंभ और गंतव्य स्थान है, काफी लाभ होता है। ये विभिन्न पर्यटन संबंधी गतिविधियाँ आधारभूत संरचना के विकास द्वारा प्रकट होती हैं। आने या जाने वाले पर्यटकों के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक बेहतर आवागमन सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, दोनों क्षेत्रों में अच्छी आधारभूत संरचना की आवश्यकता होती है।

विकासशील देशों में विदेशी पर्यटकों के लिए पर्यटन स्थल को बढ़ावा देना प्राथमिक उद्देश्यों में से एक है। यह विदेशी मुद्रा प्राप्त करने में उनकी मदद करता है। विदेशी मुद्रा भंडार की अच्छी मात्रा व्यापार के संतुलन को बनाए रखने में मदद करती है।

देश में व्यापार संतुलन के अलावा, यह बेरोजगार युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर भी उत्पन्न करता है। इस तरह वे अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं और अपने जीवन-यापन और कल्याण के लिए आय उत्पन्न करते हैं। लेकिन पर्यटन हर समय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अच्छा नहीं होता है। इसका एक नकारात्मक प्रभाव भी है। आइए, एक-एक करके उन पर नजर डालते हैं:

3.3.1 पर्यटन के नकारात्मक आर्थिक प्रभाव

पर्यटन के कारण गंतव्य स्थानों के आर्थिक जीवन पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं, विशेष रूप से, विकासशील देशों या आर्थिक रूप से कम विकसित देशों में। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :

- पर्यटन की कई छिपी लागतें होती हैं, जिनका गंतव्य देशों पर प्रतिकूल आर्थिक प्रभाव पड़ता है। ज्यादातर, अमीर देशों को गरीब देशों की तुलना में बेहतर लाभ प्राप्त होता है। अनेक उपभोग योग्य उत्पादन, खाद्य और पेय विकसित देशों से आयात किए जाते हैं। इस प्रकार लाभ विकसित देशों में चला जाता है, क्योंकि कई मेजबान देशों में उपलब्ध उत्पाद विदेशी पर्यटकों के लिए अच्छे मानक के नहीं होते हैं।
- पूर्ण-समावेशी पैकेज यात्राओं में, लगभग दो-तिहाई व्यय एयरलाइन, होटल और अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को जाता है और स्थानीय व्यवसायों या श्रमिकों को नहीं जाता है।
- पूर्ण-समावेशी पैकेज यात्राओं में पर्यटक अपना पूरा प्रवास एक ही क्रूज, जहाज या रिसॉर्ट में बिताते हैं, जो उनकी जरूरत के अनुसार सब कुछ प्रदान करता है। वहाँ भी स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए लाभ प्राप्त करने हेतु कोई विकल्प नहीं होता है।
- सामान्यत: गरीब विकासशील गंतव्यों में, धन का निवेश सरकार द्वारा पर्यटन के लिए आधारभूत संरचना विकसित करने के लिए किया जाता है, किंतु लाभ अन्य विकसित देशों में निर्यात हो जाता है, जब विदेशी निवेशक रिसॉर्ट और होटलों को वित्त पोषित करते हैं।
- पर्यटकों द्वारा बुनियादी सेवाओं और वस्तुओं के लिए अधिक से अधिक माँग, गंतव्य देश में कीमतों में वृद्धि को प्रेरित करती है। यह उन स्थानीय लोगों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, जिनकी आय उस अनुपात में नहीं बढ़ती है।

- गंतव्य राष्ट्र में पर्यटन का विकास, सेवाओं और भूमि के मूल्य में वृद्धि करता है। इस प्रकार, उस स्थान के लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना, उनके लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।
- कई देश मौसमी या कठोर जलवायु परिस्थितियों के कारण पर्यटन का समर्थन नहीं करते हैं। जब वहाँ पर्यटन का मौसम होता है, तो स्थानीय लोगों को कुछ रोजगार का अवसर मिलता है। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं होती है कि उन्हें अगले मौसम में भी रोजगार मिलेगा। इसलिए वे अपनी आजीविका प्राप्त करने में असुरक्षित होते हैं।
- लोग हवाई अड्डों, रिसॉर्ट, होटलों, प्राकृतिक भंडारों और अन्य पर्यटन विकास परियोजनाओं के निर्माण के लिए ऐतिहासिक और अन्य आकर्षण वाले स्थानों पर विस्थापित हो जाते हैं।

3.3.2 पर्यटन के सकारात्मक आर्थिक प्रभाव

विशेषकर आर्थिक रूप से कम विकसित या विकासशील देशों में पर्यटन के कारण, गंतव्य के स्थानीय क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था पर, कई सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :

- पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया खर्च मेजबान देशों में आय उत्पन्न करता है। यह अन्य आर्थिक क्षेत्रों के विकास में वृद्धि कर सकता है।
- जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने से मेज़बान देश में विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है। यह अच्छी अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षमता रखने के लिए एक अच्छा संकेत है।
- एक मेजबान देश की सरकार को पर्यटन रोजगार, व्यवसाय, विभिन्न पर्यटक स्थलों/ स्मारकों/ टोल करों आदि पर प्रवेश शुल्क से प्राप्त आय पर करों के रूप में राजस्व की प्राप्ति होती है।
- पर्यटकों की आवश्यकता की कई वस्तुएँ अन्य देशों से आयात की जाती हैं। सरकार इन वस्तुओं पर आयात शुल्क लगाती है और इस प्रकार, सरकार को वित्तीय लाभ प्राप्त होता है।
- तेजी से बढ़ते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन ने महत्वपूर्ण रोज़गार के अवसर उत्पन्न किए हैं। इसने पर्यटन में, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल लोगों को एक बेहतर आर्थिक स्थिति प्रदान की है। यह होटलों, रेस्तरां, गाइड, नाइट क्लबों, टैक्सी, स्थानीय शिल्प, पेंटिंग, स्थानीय सांस्कृतिक उत्पादों आदि के माध्यम से होता है।
- पर्यटन स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ देने के लिए अग्रसर, कई प्रकार की आधारभूत संरचनाओं के निर्माण करने के लिए सरकार को अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- पर्यटक खोमचा लगाने वालों, रिक्शा चालकों, चाय/ कॉफी स्टालों, पत्रिका कॉर्नरों, पैक की गई भोज्य सामग्री आदि की दुकानों, जैसे अनौपचारिक क्षेत्रों में आजीविका प्राप्त करने के अवसर देकर स्थानीय लोगों को बढ़ावा देता है।

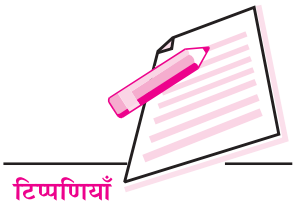

- अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार स्थानीय अर्थव्यवस्था में धन के प्रवाह को बढ़ाता है। इसने एक ही साथ निवेश करने और अधिक आय उत्पन्न करने के द्वारा लोगों को प्रभावित किया है।

क्रियाकलाप 3.1

अपने आसपास के किसी पर्यटक स्थल का भ्रमण करें और उन आर्थिक लाभों को सूचीबद्ध करें, जो स्थानीय लोगों को पर्यटन के कारण प्राप्त हो रहे हैं।

पाठगत प्रश्न 3.2

1. किस प्रकार पर्यटक गंतव्य की अर्थव्यवस्था पर्यटन से प्रभावित होती है?

2. पर्यटन के कोई दो सकारात्मक आर्थिक प्रभाव लिखें।

3.4 सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव

किसी समुदाय या एक निश्चित क्षेत्र में रहने वाले लोगों का व्यापक समूह है, जिसकी परंपरा, संस्था, गतिविधियाँ और रुचियाँ समान होती हैं, उसे समाज कहा जाता है। वास्तव में समान पहचान रखने वाले लोगों के समूह के बीच संबंध की प्रणाली को समाज कहा जाता है। यह एक परिवार/इलाके की तरह छोटा या एक पूरे राष्ट्र की तरह बड़ा हो सकता है। संस्कृति उस समाज की प्रथाएँ हैं। यह समाज के लोगों को एक साथ बांधे रखती है। इसमें इनके आचार, नैतिकता, मान्यताएँ, मूल्य और मानक शामिल हैं।

एक अच्छा आचरण, सामाजिक संबंध निर्माण का स्वीकार्य मार्ग है। इसमें दूसरों के लिए सम्मान, देखभाल और विचार शामिल होते हैं। नैतिकता लोगों के एक समूह या एक समाज द्वारा स्वीकार्य नियमों, सिद्धांतों और कर्तव्यों का एक समूह है, जो सामान्यत: धर्म से स्वतंत्र है। विश्वास व्यवहार की नींव है। व्यवहार एक व्यक्ति और समाज के दृष्टिकोण और सोच की प्रक्रिया को निर्धारित करता है। व्यवहार वह तरीका है, जिसमें कोई व्यक्ति या समाज के सदस्य व्यवहार करते हैं या कार्य करते हैं। इसे आयोजन, घटना या एक प्रतिक्रिया के संदर्भ के साथ देखा जाता है। इसलिए यह सदस्यों की एक प्रतिक्रिया है। मानदंड समाज के औपचारिक नियम होते हैं। यह सद्भाव बनाए रखने में समुदाय, समूह या समाज के सदस्यों को विनियमित करते हैं। मूल्य वे आदर्श हैं, जो समाज में सभी के ऊपर समान रूप से लागू होते है, जैसे ईमानदारी, सम्मान, करुणा ये मूल्य मानदंडों की नींव की ईंटें हैं। ये सामाजिक व्यवहार और समाज के लोगों के आचरण के कुछ बुनियादी नियम हैं।

जब अधिकांश लोग सुदूर स्थानों से आते हैं और किसी भी क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत करते हैं, तो वे वहाँ के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं। पारस्परिक क्रियाओं के कारण मूल्य प्रणाली, व्यवहार, स्वदेशी पहचान में बदलाव

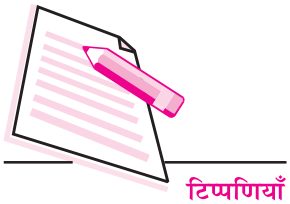

टिप्पणियाँ

दिखाई पड़ते हैं। समुदाय संरचना, पारिवारिक संबंध, सामूहिक परंपरागत जीवन-शैली, समारोहों और नैतिकता में विचलन देखे जाते हैं। इसके अलावा कुछ सकारात्मक प्रभाव भी देखे जाते हैं। आइए, उनका संक्षिप्त अध्ययन करते हैं :

3.4.1 नकारात्मक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव

विशेष गंतव्य स्थानों पर पर्यटन के कई नकारात्मक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव पड़ते हैं। उनमें से महत्वपूर्ण निम्नलिखित हैं :

- पारिवारिक संरचना के बंधन/संपर्क को कम करता है और एकाकी परिवार की मान्यता पर बल देता है।
- यह शहरीकरण को प्रोत्साहित करता है।
- भीड़-भाड़ और स्थानीय लोगों के लिए मनोरंजन सुविधाओं की कमी के कारण पर्यटकों से टकराव और असंतोष होता है।
- कुछ पर्यटन स्थलों पर मादक पदार्थों का सेवन और वेश्यावृत्ति बढ़ता हुआ दिखाई पड़ सकता है।
- पर्यटन उद्योग में वृद्धि के कारण बच्चों, युवा और महिलाओं का व्यावसायिक लैंगिक शोषण, दुनिया के कई भागों में बढ़ा है। बच्चों को वेश्यालय में अवैध रूप से फंसाया जाता है और सेक्स गुलामी में ढकेल दिया जाता है।
- विदेशी पर्यटकों के साथ बदसलूकी और बलात्कार पर्यटन को बाधित करता है।
- पर्यटकों का कुछ स्थानों और होटलों/ हवाई अड्डों पर परंपरागत रूप से स्वागत किया जाता है। कभी-कभी, पारंपरिक स्वागत और आतिथ्य मानदंडों का व्यवसायीकरण भी दिखलाई पड़ता है, जो उन चीजों का मजाक ज्यादा लगता है।
- विभिन्न सांस्कृतिक समूहों के लोगों के साथ मेल-जोल होने से गंतव्य क्षेत्र की अपनी संस्कृति में ह्रास परिलक्षित होता है। बाद में, यह सांस्कृतिक पहचान हेतु लोगों में संघर्ष की भावना पैदा करता है।
- पर्यटक स्थानीय अकुशल लोगों की तुलना में अधिक धनी होते हैं। यह पैसे कमाने और पर्यटकों द्वारा लाए गए उपकरणों को पाने के लिए लालच को जन्म देता है। इस तरह का लालच स्थानीय लोगों को अपराध करने के लिए मजबूर कर सकता है।
- स्थानीय लोगों के नैतिक आचरण में गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई देती है और विशेष रूप से स्थानीय युवा विदेशी की नकल करने का प्रयास करते हैं। वे धूमपान, शराब पीने, जुआ खेलने, लड़की का हाथ पकड़कर चलने या खुले में चुंबन करने का प्रयास करने आदि पर्यटकों जैसी आदतों को अपनाने की कोशिश करते हैं।
- विदेशी पर्यटकों द्वारा स्थानीय नियमों और रूढ़ियों का उल्लंघन करना मेज़बान और मेहमान के बीच संघर्ष को जन्म देता है।

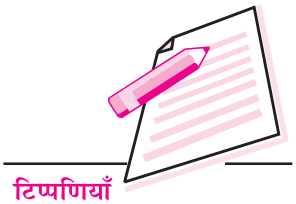

- स्थानीय भाषा और बोली अपनी शुद्धतायुक्त पहचान खो रही है, एक नई मिश्रित भाषा का जन्म हो रहा है।
- सांस्कृतिक भिन्नता के कारण सांस्कृतिक टकराव हो रहे हैं। जातीयता, धर्म, मूल्यों, व्यवहार, जीवन-शैली और समृद्धि के स्तर में अंतर के कारण भी टकराव का जन्म हो रहा है।
- कई पर्यटक विभिन्न जीवन-शैलियों के साथ विभिन्न समाजों से आते हैं। वे हर तरह के सुख की तलाश करते हैं और अधिक पैसा खर्च करते हैं। कभी-कभी उनका व्यवहार भी बहुत ही अहंकारपूर्ण होता है। यहाँ तक कि कभी-कभी उनके अपने समाज में भी वे व्यवहार स्वीकार्य नहीं हो सकता, जहाँ से वे आए हैं।
- आर्थिक रूप से कम विकसित देशों में विशेषकर 'संपन्न' और 'वंचितों' के बीच अंतर बढ़ रहा है। यह सामाजिक तनाव और कई बार जातीय तनाव को जन्म देता है।
- अज्ञानता या लापरवाही के कारण, पर्यटक अक्सर स्थानीय रूढ़ियों और नैतिक मूल्यों का सम्मान करने में असफल होते हैं। यह स्थानीय लोगों में क्रोध उत्पन्न कर सकता है।

3.4.2 सकारात्मक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव

पर्यटन के सकारात्मक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव भी हैं, विशेष रूप से गंतव्य स्थानों पर। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :

- पर्यटन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मूलों के कई सांस्कृतिक समूहों के लोगों के साथ परिचित होने के लिए एक उपयुक्त अवसर प्रदान करता है।
- पर्यटन में शिक्षा का एक घटक भी शामिल होता है। शिक्षा के माध्यम से पर्यटन एक साथ दो या अधिक सांस्कृतिक समूहों के लोगों के बीच समझ को संवर्धित करता है। यह मेज़बानों और मेहमानों के बीच सांस्कृतिक विनियम की पेशकश करता है।
- सांस्कृतिक विनिमय के कारण लोग एक-दूसरे के प्रति परस्पर सहानुभूति और समझ विकसित करते हैं और यह उनके पूर्वाग्रहों को कम करता है।
- अंततः सहानुभूति और समझ दो समुदायों/ देशों के बीच तनाव को कम करने में मददगार साबित हो सकता है। इस तरह शांति के साथ अच्छे संबंध प्रगाढ़ होने की संभावना बढ़ जाती है।
- पर्यटन सामुदायिक सुविधाओं और सेवाओं के विकास का समर्थन करता है। ये सुविधाएँ और सेवाएँ लोगों द्वारा भी उपयोग की जाती हैं, इस प्रकार बेहतर जीवन शैली का नेतृत्व करती हैं।
- पर्यटन प्राकृतिक, सांस्कृतिक, पुरातात्विक या ऐतिहासिक स्थलों के महत्व और मूल्य के बारे में जागरूकता उत्पन्न करता है। यह स्थानीय और राष्ट्रीय विरासत पर गर्व की भावना को बढ़ाता है। यह उनके संरक्षण के लिए नेतृत्व करता है।

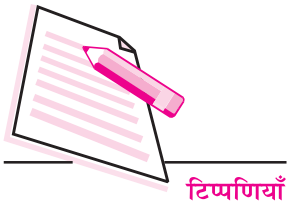

टिप्पणियाँ

- पर्यटक अपने साथ यादगार के रूप में ले जाने के लिए एक विशेष क्षेत्र/ राष्ट्र की कई कलाओं और शिल्पों को खरीदने में रुचि रखते हैं। निवासियों के लिए मौद्रिक लाभ इन कलाओं और शिल्पों को हमेशा के लिए जीवित रखने के विचार को भी बढ़ावा देता है।
- वर्ष के कुछ भागों में आयोजित पर्व, पर्यटकों द्वारा बड़े उत्साह के साथ देखे जाते हैं। स्थानीय युवाओं के सुशिक्षित होने और व्यापक दृष्टिकोण और समझ रखने के बावजूद ये लोगों को स्थानीय संस्कृति को जीवित रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं

क्रियाकलाप 3.2

समाचार-पत्रों से स्थानीय कपड़े पहने हुए विदेशी पर्यटकों की तस्वीरें और चित्र एकत्र करें। वे स्थानीय लोगों के साथ नाच रहे हो सकते हैं या उनकी संस्कृति के साथ मिश्रित हो रहे हो सकते हैं।

पाठगत प्रश्न 3.3

1. संस्कृति शब्द का वर्णन करें।
2. समाज पर पर्यटन के किन्हीं तीन नकारात्मक प्रभावों का उल्लेख करें।
3. कभी-कभी स्थानीय लोग पर्यटकों से परेशान क्यों हो जाते हैं? समझाकर लिखिए।

3.5 राजनीतिक प्रभाव

पर्यटन पर राजनीतिक प्रभाव न केवल दिखाई पड़ते हैं, बल्कि पर्यटन, प्रत्यक्ष रूप से राजनीति को प्रभावित करता है। परोक्ष रूप से, विकसित देशों की सरकारें जिनके धनी पर्यटक कुछ देशों की यात्रा करते हैं, यात्रियों को सौहार्दपूर्ण स्थितियाँ प्रदान करने के लिए गंतव्य स्थान की सरकारों को प्रभावित करती हैं।

प्रत्येक पर्यटक गंतव्य और अपने स्थान तक वापस पहुँचने की दृष्टि से सुरक्षित यात्रा के लिए बहुत चिंतित होता है। घूमे गए क्षेत्रों को जानने के साथ-साथ मजा और आनंद पर्यटन के मुख्य उद्देश्य हैं। पर्यटक इसी के लिए आते हैं और इसलिए वे उन क्षेत्रों में जाना चाहते हैं, जो उनके उद्देश्यों को पूरा करते हैं। वे दुनिया में सभी स्थानों में पर्यटकों के हित को सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। एक पर्यटन नीति पर्यटन को दिशा प्रदान करती है। यह नीति पर्यटन के उद्देश्य के विकास और संवर्धन के लिए नियमों, विनियमों, निर्देशों और विनिर्देशों का एक समूह है। यह एक रूप-रेखा प्रदान करता है, जिसके साथ सामूहिक और व्यक्तिगत निर्णय पर्यटन के विकास को प्रभावित करते हैं। सरकार पर्यटन के लिए एक आचार संहिता का निर्माण कर सकती है। कुछ बिंदु पर्यटन का पक्ष लेते हैं और उनमें से कुछ इसे बाधित करते हैं। वे निम्नलिखित हैं :

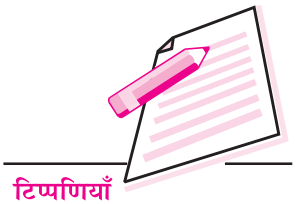

3.5.1 नकारात्मक राजनीतिक प्रभाव

पर्यटन पर, विशेषकर गंतव्य स्थानों पर, कई नकारात्मक राजनीतिक प्रभाव होते हैं। उनमें से कुछ महत्वपूर्ण निम्नलिखित हैं :

- गंतव्य क्षेत्र/ देश में राजनीतिक अस्थिरता और संघर्ष पर्यटन के लिए एक बाधा साबित होता है। वास्तव में, राजनीतिक अस्थिरता एक देश की ऐसी स्थिति है, जहाँ सरकार अस्थिर है या गिरा दी गई है। कभी-कभी सरकारों का तख्तापलट किसी गुट विशेष द्वारा किया जाता है। ऐसी स्थिति में कानून और व्यवस्था एक बड़ी समस्या होती है। इसलिए, पर्यटकों को ऐसे स्थानों से दूर रखा जाता है।
- कभी-कभी पर्यटकों के अपने देशों की सरकारें अपने नागरिकों को ऐसे देशों की यात्रा न करने की चेतावनी देती हैं, जहाँ राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष मौजूद होता है।
- जब पर्यटक पहले ही किसी देश में जा चुके होते हैं और कुछ राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न होती है, तो नागरिकों को यथाशीघ्र अस्थिर देश को छोड़ने के लिए राजनीतिक रूप से पुनः चेतावनी जारी की जाती है।
- अस्थिर सरकार देश के नागरिकों के लिए कानून और व्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में सक्षम नहीं होती है। वे विदेशी पर्यटकों की उचित देखभाल करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। अतः यह पर्यटन के लिए एक बाधा है।
- सरकार किसी भी संबंध में नीति का निर्माण करने के लिए एकमात्र प्राधिकरण है। नीति का परिणाम प्राप्त करने के लिए पर्यटन के विषय में सभी नीतिगत मामलों का सरकार द्वारा ध्यान रखा जाता है।
- पर्यटन के पक्ष में अपनाई गई नीति और आधारभूत संरचना विकास पर्यटन की बढ़ती प्रवृत्ति का नेतृत्व करती है और व्युत्क्रम परिस्थितियों में, प्रतिकूल परिणाम उत्पन्न करते हैं। घरेलू/ गंतव्य क्षेत्र/ देश में कोई क्रियात्मक उथल-पुथल, उस क्षेत्र/ देश की यात्रा न करने के एक निर्णय में परिणाम देती है।
- आतंकवाद दुनिया के किसी भी भाग में पर्यटन के विकास की संभावना को कम कर देता है। कश्मीर घाटी में, पर्यटन काफी कम हो गया है।
- भीख माँगना, अपहरण का जोखिम और झाँसा देना पुनः पर्यटन के विकास की पंक्ति में एक नकारात्मक पहलू है।

3.5.2 सकारात्मक राजनीतिक प्रभाव

पर्यटन के कई सकारात्मक राजनीतिक प्रभाव होते हैं, विशेष रूप से गंतव्य स्थानों पर। उनमें से महत्वपूर्ण प्रभाव निम्नलिखित हैं :

- राजनीतिक स्थिरता पर्यटकों की सर्वप्रथम चिंता है। किसी भी पर्यटक गंतव्य पर सुरक्षा बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है।
- कानून और व्यवस्था सरकार के लिए चिंता का विषय है। एक बार जब इसे अच्छी तरह से प्रबंधित कर लिया जाता है, तो यह पर्यटकों के आगमन में मदद करता है।
- राजनीतिक स्थिरता और सरकारी तंत्र से पर्यटकों के लिए सुरक्षा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टॉनिक है।
- पर्यटक आकर्षण क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं की स्थापना करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति पर्यटन को प्रोत्साहित करती है। यह आसान पहुँच, आवास, गाइड और पर्यटकों के लिए आवश्यक अन्य सुविधाओं को आसान बनाती है।
- इसके अलावा एक पर्यटक लक्षित योजना पर्यटन को तेजी से प्रभावित करती है। प्राकृतिक परिदृश्य के लिए अधिक परिवर्तन के बिना, सुरक्षा के साथ, स्थल का सौंदर्यीकरण भी पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है।
- आतंकवाद को रोकना विश्व के कुछ भागों में एक बड़ी चुनौती है। यह समाज के लिए एक अभिशाप है। ऐसे क्षेत्र लगभग किसी भी पर्यटन विकास से वंचित होते हैं, जो आतंकवाद से ग्रस्त होते हैं।
- जोखिम बोध गंतव्यों के बारे में निर्णय की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। यह नकारात्मक मामले में गंभीर रूप से प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

क्रियाकलाप 3.3

जम्मू-कश्मीर सरकार की पर्यटन नीति की समीक्षा और आकलन करें। यह जानने का प्रयास करें कि यह कैसे गुजरात सरकार की पर्यटन नीति से भिन्न है?

पाठगत प्रश्न 3.4

1. पर्यटन को प्रभावित करने में सरकार की भूमिका पर चर्चा करें।
2. पर्यटन के कोई तीन राजनीतिक प्रभाव लिखें।

3.6 पर्यावरणीय प्रभाव

पर्यावरण एक पूर्ण परिवेश या परिस्थिति है, जिसमें एक व्यक्ति, पशु-पक्षी या पौधा रहता है या व्यवहार करता है। एक व्यक्ति का वातावरण उन सभी चीजों से बना होता है, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, जीवन स्थितियों से संबद्ध होती हैं। इसमें घर, इमारतें, साथी व्यक्ति, जानवर, पौधा, भूमि, जल, तापमान, प्रकाश, वायु, वनस्पति और जीव, अन्य मानव, विकसित आधारभूत संरचना आदि शामिल होते हैं। जीवित पौधे और पशु-पक्षी न केवल परिवेश में मौजूद होते हैं, बल्कि एक-दूसरे के साथ व्यवहार भी करते हैं। व्यवहार, व्यवहार की गतिशीलता पर निर्भर करते हुए

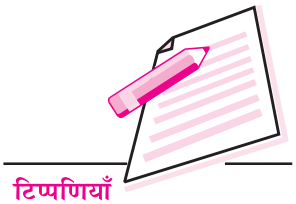

भी काफी हद तक प्रभावी होता है। पर्यटन विशाल संख्या में विविध दृष्टिकोण वाले व्यक्तियों को लगाकार एक क्षेत्र में लाता है। उन स्थानों तक पहुँचने वाले लोगों की विशाल संख्या के कारण विभिन्न संसाधनों पर बहुत तीव्र दबाव बन गया है। अधिकाधिक आधारभूत संरचनाएँ बनाई जा रही हैं, जो पुनः क्षेत्र के परिदृश्य में बहुत परिवर्तन कर रही हैं। अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कुछ पर्यावरणीय सुधार भी किए जाते हैं। अतः पर्यटन पर्यावरण के संरक्षण में मदद करता है। आइए, पर्यावरण/ परिवेश पर उन नकारात्मक और सकारात्मक प्रभावों पर एक नज़र डालते हैं।

3.6.1 नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव

विशेष रूप से गंतव्य स्थानों पर, पर्यटन के कई नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव हैं। उनमें से महत्वपूर्ण प्रभाव निम्नलिखित हैं-

- भूमि उपयोग को घरों/ होटलों/ रेस्तरां के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण रूप से परिवर्तित किया जाता है, क्योंकि इसकी माँग पर्यटकों और इससे संबंधित लोगों के लिए होती है।
- जंगल काट दिया जाता है। कृषि योग्य भूमि को इमारतों/ सड़कों/ कचरा निपटान में बदल दिया जाता है।
- पहाड़ी क्षेत्र में ढलान पर सड़कों का निर्माण मृदा-कटाव जैसी कई समस्याओं को जन्म देता है, जो पारिस्थितिक असंतुलन उत्पन्न करता है। पौधों और वनस्पति का नष्ट होना, पर्यावरण पर भयानक दुष्प्रभाव उत्पन्न करता है।
- ऐसे क्षेत्रों में प्राकृतिक पारस्थितिकी की गिरावट और गड़बड़ी के मामले सामान्य होते जा रहे हैं। पर्यटन के कारण जैव-विविधता का भारी नुकसान भी होता है।
- ऐसे क्षेत्रों में मानव हस्तक्षेप के कारण भू-स्खलन विस्तृत रूप से देखा जाता है।
- जल-रिसाव की कमी के कारण जल-प्रवाह ज्यादा होता है। अत्यधिक जल-प्रवाह के कारण अधिक मृदा-क्षरण देखा गया है। ऊपरी परत में उच्च कटाव, निम्नवर्ती भाग में गाद की भारी मात्रा उत्पन्न करता है। गंदे कीचड़ का जमाव और उच्च जल-प्रवाह उच्च बाढ़ को जन्म देता है और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र को लगभग बंजर बना देता है।
- किसी भी स्थल पर आने वाली पर्यटकों की भारी संख्या गंतव्य क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव उत्पन्न करते हैं। वे संसाधनों का क्षय करते हैं।
- संसाधनों की भारी माँग, गुणवत्ता और मात्रा के संदर्भ में अपक्षय और गिरावट लाता है। यह जल, वायु और भूमि जैसे संसाधनों के प्रदूषण का कारक बनता है।
- बढ़ती पर्यटन गतिविधियों के कारण, समुद्र तटों, झीलों, नदियों, भूमिगत जल का प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।
- पर्यटकों की बड़ी संख्या, विभिन्न चीजों की बढ़ती उच्च माँग और उनके लिए बढ़ती हुई अन्य सहयोगी सुविधाएँ पर्यटन स्थलों में बेहद भीड़ बढ़ाती हैं।
- ऐसे क्षेत्र में मल निपटान और जल निकास का प्रबंधन एक मुश्किल कार्य है।

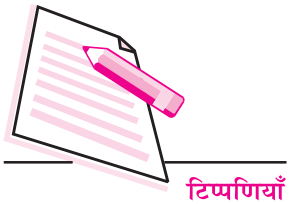

टिप्पणियाँ

- पर्यटन दुनिया भर के पर्यटकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। वे लघु अवधि में बड़ी दूरी को कवर करने के लिए हवाई यात्रा करते हैं। हवाई यात्रा के फलस्वरूप वातावरण में भारी मात्रा में विषैली गैसें, जैसे- कार्बन-डाई-ऑक्साइड, मोनो-ऑक्साइड आदि उत्सर्जित होती हैं। कुल मिलाकर, दुनिया भर में पर्यावरणीय समस्याएँ बढ़ रही हैं।
- स्थानीय परिवहन जैव ईंधन की खपत द्वारा पर्यावरण को भी प्रदूषित करता है। पर्यटकों की अधिक भीड़ के कारण पुरातात्विक, ऐतिहासिक, वास्तुशिल्प और प्राकृतिक स्थलों की स्थिति बिगड़ती जा रही है।
- कई पर्यटन झरनों, पुलों, बदलते वन प्रकारों, बादलों, बर्फ़, स्कीइंग आदि की प्राकृतिक सुंदरता से पूर्ण पर्वतीय स्थानों में घूमने में रुचि रखते हैं। ये सभी पर्वतीय ढलानों के एक नाजुक क्षेत्र में पाए जाते हैं। इन क्षेत्रों की यात्रा करने वाले पर्यटकों की अधिक संख्या के फलस्वरूप वहन-क्षमता पर दबाव की स्थिति उत्पन्न होती है।
- सड़कों/ रास्तों/ कैंपों की जमीन पर कूड़ा पाया जाता है।
- पार्कों/ वन्य जीव अभयारण्यों/ आरक्षित जैव मंडलों में पर्यटकों की अधिक यात्रा, जंगली जानवरों के व्यवहार और यहाँ तक कि प्रजनन चक्र को भी परिवर्तित कर देता है। वे पर्यटकों से डर जाते हैं और प्रायः अपने प्राकृतिक निवास स्थान से दूर चले जाते हैं और वे परिधि से बाहर चले जाते हैं। अधिक जल गतिविधि और नौकायन के कारण जलीय जानवरों और पादप जीवों में भी समान परिणाम देखे जाते हैं।
- पर्यटन मनोरंजन गतिविधियों द्वारा आवास का अपक्षय हो सकता है। उदाहरण के लिए, वन्य जीवन को देखना, जानवरों के लिए तनाव उत्पन्न कर सकता है और उनके प्राकृतिक व्यवहार को परिवर्तित कर सकता है, जब पर्यटक अधिक करीब आते हैं।
- जब कई पर्यटक पैदल घूम रहे होते हैं तो पैदल मार्गों के नजदीक वनस्पति को उनके पैरों तले कुचलने से नुकसान होता है। घास, पौधे और झाड़ियाँ विनष्ट हो जाती हैं और उनका विकास धीमा हो जाता है।
- एक ही पगडंडी का बार-बार उपयोग करते हुए पर्यटक मिट्टी और वनस्पति को रौंदते हैं, जो अंततः क्षय का कारण बनता है, जो जैव-विविधता को नुकसान पहुँचा सकता है।
- ऊँची इमारतों/ होटलों का निर्माण क्षितिज को बाधित करता है और प्राकृतिक सौंदर्य को धूमिल करता है।
- जो भी सुविधाएँ पर्यटकों के गंतव्य पर प्रदान की जाती हैं, वे कुछ समय के बाद अपर्याप्त हो जाती हैं और क्षमतानुसार जरूरतों को पूरा करने के लिए पुनः बढ़ाई जाती है। इस प्रकार, ऐसे क्षेत्रों में आवश्यकताओं की संतुष्टि एक अस्थायी घटना है।

3.6.2 सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव

विशेषकर गंतव्य स्थानों पर पर्यटन के कई सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव होते हैं। उनमें से महत्वपूर्ण प्रभाव निम्नलिखित हैं-

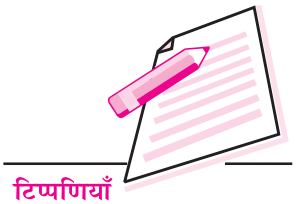

- चूँकि बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं और पर्यटकों से आय उत्पन्न होती है, इसलिए अधिक से अधिक पर्यावरणीय चेतना की उम्मीद की जाती है।
- कभी-कभी विदेशी पर्यटक, पर्यावरण पर दबाव को कम करने के बारे में एक अच्छा विचार देते हैं और स्थायी पर्यटन पर बल देते हैं।
- एकत्रित धन का उपयोग अधिक संसाधनों के निर्माण और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के लिए किया जाता है।
- सफ़ाई अभियान अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए संचालित किया जाता है।
- अधिक से अधिक पर्यावरणीय सुरक्षात्मक उपायों को अपनाया जाता है।
- पारिस्थितिक संतुलन अनुरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने के लिए उद्देश्य बन जाता है।
- वहाँ विभिन्न गतिविधियों का व्यवसायीकरण होता है, किंतु दुष्प्रभावों से बचने के लिए रक्षात्मक कदम भी उठाए जाते हैं।
- पर्यावरण पर पर्यटन के दुष्प्रभावों का अध्ययन करने के लिए विभिन्न अनुसंधान गतिविधियाँ/ परियोजनाएँ चलाई जा रही हैं। ये अध्ययन सामाजिक समस्याओं को समझाने में फायदेमंद होते हैं। इन अध्ययनों के निष्कर्षों और अनुशंसाओं का पालन किया जाता है। यह सही पर्यावरण/ पारिस्थितिकी संतुलन बनाने में मदद करता है।
- स्थानीय लोगों को भी पर्यावरण/ परिवेश के महत्व के बारे में अवगत कराया जाता है। वे संतुलन को बनाए रखने में भी सहयोग करते हैं।
- गलियों, सड़कों, झीलों, समुद्र-तटों, पर्वतीय ढालों आदि को साफ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्रयास किए जाते हैं। यह क्षेत्र को साफ़-सुथरा बनाता है।
- स्मारकों, ऐतिहासिक स्थलों, खुदाई स्थानों, संग्रहालयों आदि को उचित उपायों द्वारा संरक्षित किया जाता है। उन्हें नियामक रूप से अनुरक्षित किया जाता है और साफ़ रखा जाता है।
- सार्वजनिक पार्क, उद्यान, सड़कों के किनारे की हरियाली, मूर्ति सदृश परिदृश्य, औषधीय जड़ी-बूटियों में प्रयोग किए जाने वाले उद्यानों, पौधों की नर्सरी को विकसित और अनुरक्षित किया जाता है।
- उपेक्षित, विकृत बेकार भूमि को पार्कों के रूप में बदल दिया जाता है और आकर्षक बनाया जाता है।
- निजी और सार्वजनिक इमारतों को पुनर्निर्मित किया जाता है। इससे क्षेत्र बहुत सुंदर प्रतीत होता है। यह हमारी आँखों को आनंद प्रदान करता है। यह स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी अच्छा है।

क्रियाकलाप 3.4

अपने आसपास के किसी पर्यटक स्थल का पता लगाएँ और यह पता लगाने का प्रयास करें कि इसकी स्थिति किस प्रकार पर्यटकों के आने से बदल रही है।

पाठगत प्रश्न 3.5

1. पर्यावरण शब्द की व्याख्या करें।

2. पर्यटन के किन्हीं तीन नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों को सूचीबद्ध करें।

3.7 नकारात्मक प्रभावों से निपटना

पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों से निपटना, आज पर्यटन उद्योग द्वारा सामना की जाने वाली गंभीर चुनौतियों में से एक है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, इसके चार व्यापक प्रभाव हैं। आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय। वास्तव में, पर्यटन स्थिरता के तीन घटक- आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक हैं। सामाजिक स्थिरता को पुनः दो भागों- सामाजिक और सांस्कृतिक में विभाजित किया जा सकता है। इसलिए हम कह सकते हैं कि स्थायी पर्यटन के चार स्तंभ होते हैं। पर्यटन की स्थिरता क्षेत्रीय और स्थानीय सुविधाओं/ संसाधनों की निरंतरता, सुरक्षा और विकास को सुनिश्चित करने से संबंधित है, जो भविष्य के लिए पर्यटन की संपत्ति है। दूसरे शब्दों में, पर्यटन को एक ऐसे तरीके से और एक ऐसे पैमाने पर किसी भी विशिष्ट क्षेत्र में विकसित और अनुरक्षित किया जाता है, जिसे हमेशा के लिए लाभप्रद बनाए रखा जाए। इसके लिए आवश्यक है कि पर्यावरण का संतुलन बना रहे।

स्थायी पर्यटन का मुख्य उद्देश्य हमेशा स्थिरता की गारंटी को बनाए रखना है। इसके लिए व्यक्ति को आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और पर्यावरणीय कारकों पर विचार करना पड़ता है और एक उचित/ उपयुक्त संतुलन बनाए रखा जाता है। क्षेत्र/ प्रदेश की सफ़ाई, स्वच्छता और सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसलिए आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और पर्यावरणीय कारकों के बीच एक उपयुक्त सामंजस्य बनाए रखना, स्थायी पर्यटन के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है।

हर क्षेत्र/ प्रदेश में पर्यटकों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए अपनी क्षमता होती है। जब पर्यटकों की संख्या सीमा के भीतर होती है तो संसाधन भी उपलब्ध होते हैं। लेकिन जब सीमा पार हो जाती है, तो इसकी हालत खराब होने लगती है। तब सभी पर्यटकों को उचित सम्मानजनक व्यवहार प्रदान करना संभव नहीं होता है। एक अराजक स्थिति बन जाती है। अतः जिस सीमा तक इसे अच्छी तरह बनाए रखा जाता है, उसे क्षेत्र/ प्रदेश की पर्यटन वहनीय क्षमता के रूप में जाना जाता है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने इसे लोगों की अधिकतम संख्या के रूप में परिभाषित किया है, जो एक पर्यटक गंतव्य पर एक ही समय में, भौतिक, आर्थिक और

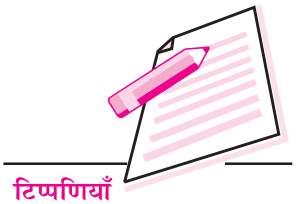

सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश और जीवन की गुणवत्ता में कमी लाए बिना यात्रा कर सकते हैं। इसलिए सामंजस्य स्थायी पर्यटन के लिए समय की आवश्यकता है, अन्यथा अतिथि देवो भव: की मूल अवधारणा निरर्थक हो जाती है।

देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा एक नई पर्यटन नीति की घोषणा की गई थी। यह नीति सप्त 'स' (7 एस) मंत्रों पर आधारित है। वे हैं-

क्र.सं.	'स' सप्त मंत्र (हिंदी)	अंग्रेजी
1.	स्वागत	वेलकम
2.	सूचना	इंफॉर्मेशन
3.	सुविधा	फैसिलिटेशन
4.	सुरक्षा	सिक्युरिटी
5.	सहयोग	कॉपरेशन
6.	संरचना	इंफ्रास्ट्रक्चर
7.	सफ़ाई	क्लीनलिनेस

पर्यटन के संवर्धन की उपरोक्त नीति अच्छी है, किंतु विभिन्न कारकों के बीच एक उचित संतुलन आगमन के हर समय के लिए पर्यटन के अनुरक्षण और स्थायीत्व के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।

आपने क्या सीखा

पर्यटन पर्यटकों द्वारा दौरा किए गए क्षेत्रों को प्रभावित करता है। पर्यटन, पर्यटकों और उनके अनुभवों को लिखने से दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों को जानने का बहुत अच्छा अवसर प्रदान करता है। इसे चार विस्तृत समूहों में बाँटा जा सकता है-

(i) आर्थिक प्रभाव

(ii) सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव

(iii) राजनीतिक प्रभाव

(iv) पर्यावरणीय प्रभाव

- प्रभाव के चार समूहों को आगे दो भागों में सकारात्मक और नकारात्मक रूप से विभाजित किया जाता है। दूसरे शब्दों में, ऊपर उल्लेख किए गए सभी चार समूहों के कुछ सकारात्मक के साथ-साथ कुछ नकारात्मक प्रभाव होते हैं।

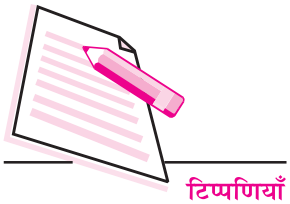

टिप्पणियाँ

- पर्यटन दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोगों के लिए आजीविका प्रदान कर रहा है। यह बेरोज़गारी को कम कर रहा है।
- इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव होते हैं।
- बड़ी संख्या में पर्यटकों का स्थानीय लोगों के साथ व्यवहार सकारात्मक रूप में सामाजिक-सांस्कृतिक स्थितियों को जानने का एक अवसर प्रदान करता है, जबकि सामाजिक-सांस्कृतिक संघर्ष नकारात्मक भी हो सकते हैं।
- सरकार द्वारा लिए गए राजनीतिक निर्णय या राजनीतिक स्थिरता या अस्थिरता पर्यटन की वृद्धि और विकास को निर्धारित करती है।
- पर्यावरण पर्यटन के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। प्रत्येक पर्यावरण/परिवेश में पर्यटकों को वहन करने की क्षमता होती है। यदि पर्यटकों का आगमन वहन क्षमता से अधिक होता है, तो यह पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है।
- संक्षेप में, पर्यटन का मीठा फल प्राप्त करने के लिए एक उचित संतुलन की आवश्यकता होती है, अन्यथा पर्यटन एक कड़वा फल होगा।

पाठांत प्रश्न

1. प्रत्येक के लिए कम से कम तीन बिंदु देते हुए पर्यटन के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का वर्णन करें।
2. पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की व्याख्या करें।
3. राजनीतिक स्थिरता या अस्थिरता पर्यटन को किस प्रकार प्रभावित करती है?
4. 'पर्यटन में वृद्धि के कारण पर्यावरण भारी तनाव से ग्रस्त है' उदाहरण सहित कथन की व्याख्या करें।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

3.1

1. पर्यटकों का स्थानीय/गंतव्य भूमि और लोगों के साथ व्यवहार सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरीके से प्रभावित करते हैं।
2. पर्यटकों के चार प्रभाव : आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय हैं।

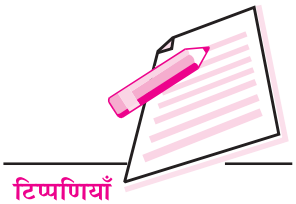

3.2

1. गंतव्य क्षेत्र की अर्थव्यवस्था सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित होती है। यह रोज़गार के अवसर, आधारभूत संरचनाओं का विकास प्रदान करती है, आकस्मिक श्रमिक लाभों में वृद्धि उच्चतर भाग में चली जाती है और निचले भाग की उपेक्षा की जाती है।
2. कृपया अनुभाग 3.3.1 और 3.3.2 देखें।

3.3

1. संस्कृति समाज का सामान्य व्यवहार है, जिसमें शिष्टाचार, नैतिकता, मान्यताएँ, व्यवहार, मूल्य और मानदंड शामिल होते हैं।
2. कृपया अनुभाग 3.4.1 देखें।
3. विदेशी/ बाहरी पर्यटकों द्वारा स्थानीय मानदंडों और रूढ़ियों का उल्लंघन और तोड़ना स्थानीय लोगों में क्रोध को जन्म देता है।

3.4

1. सरकार आधारभूत संरचना के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ-साथ देश में स्थिरता प्रदान करती है। पर्यटन तदनुसार प्रभावित होता है।
2. कृपया अनुभाग 3.5.1 और 3.5.2 देखें।

3.5

1. पर्यावरण वह संपूर्ण परिवेश या परिस्थिति हैं, जिनमें एक व्यक्ति, पशु-पक्षी या पौधा रहता है और परस्पर व्यवहार करता है।
2. कृपया अनुभाग 3.6.1 देखें।